नवभारत 11
इंदौर, बुधवार, 18 मार्च 2026

एक नजर में

कलेक्टर ने 'दीप दर्पण' पत्रिका का किया विमोचन

मंदसौर। कलेक्टर अदिती गर्ग एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुकूल जैन द्वारा 'दीप दर्पण' पत्रिका का विधिवत विमोचन किया। विकासखंड सीतामऊ अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दीपाखेड़ा द्वारा विद्यालय पत्रिका 'दीप दर्पण' का प्रकाशन किया गया। विद्यालय की इस पहली पत्रिका में विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ विद्वान शिक्षकों के आलेखों का समावेश किया गया है। पत्रिका को आकर्षक एवं सचित्र रूप में प्रकाशित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों को विद्यालय की गतिविधियों की व्यापक जानकारी प्राप्त हो सके।विद्यालय के प्राचार्य दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि 'दीप दर्पण' विद्यालय की प्रथम पत्रिका है और भविष्य में भी इस प्रकार के प्रकाशन का क्रम निरंतर जारी रखा जाएगा।इससे विद्यार्थियों में लेखन एवं पठन के प्रति रुचि विकसित होगी तथा उन्हें अपनी रचनाओं को अभिव्यक्त करने का मंच मिलेगा।उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों को साहित्य से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है और विद्यालय का यह प्रयास इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। विमोचन कार्यक्रम के दौरान श्री रामेश्वर डांगी (जिला परियोजना समन्वयक), पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्यगण एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक उपस्थित थे।

सरस्वती विहार में भव्य आयोजन- माँ सरस्वती व नेताजी सुभाषचंद्र बोस प्रतिमा अनावरण के साथ सम्मान समारोह

मन्दसौर। विद्या भारती सरस्वती विहार परिवार द्वारा एक भव्य एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में माँ सरस्वती की सुंदर प्रतिमा का अनावरण 'मुक्तांगन' में किया गया। सुसज्जित स्थल पर पुष्पमालाओं और दीप सज्जा के बीच यह अनावरण अत्यंत श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात महान स्वतंत्रता 'सेनानी नेताजी सुभाषचंद्र बोस की भव्य प्रतिमा का अनावरण' किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने 'जय हिंद' के उद्घोष के साथ नेताजी को नमन किया। कार्यक्रम का अगला चरण सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सुसज्जित रहा, जिसमें विद्यालय की शिक्षिकाओं द्वारा समूह गीत एवं देशभक्ति नृत्य प्रस्तुत किए गए। इसके उपरांत भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।जिसके अंतर्गत भारतीय आदर्श शिक्षण समिति द्वारा सरस्वती विहार परिवार का सम्मान किया गया ।इस सफल आयोजन ने सेवा, समर्पण और संस्कार की भावना को सुदृढ़ करते हुए समाज में राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सरस्वती विहार परिवार के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री गोपाल काकानी (सचिव विद्या भारती मालवा), प्रकाश धनगर (अध्यक्ष विद्या भारती मालवा प्रांत, अध्यक्ष भारतीय आदर्श शिक्षण समिति) दशरथ सिंह झाला (जिला संघ चालक), अशोक पारिक (सचिव भारतीय आदर्श शिक्षण समिति), सुनील शर्मा (सहसचिव, भारतीय आदर्श शिक्षण समिति, प्रबंधक सरस्वती विहार), राजदीप परवाल (कोषाध्यक्ष भारतीय आदर्श शिक्षण समिति), समिति सदस्य रविंद्र पांडे, अभिभावक प्रतिनिधि प्रवीण उपाध्याय, श्री रमेश कश्यप, केशव नगर समिति सचिव मिलिंद व्यास, सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई की प्राचार्य डॉ सरोज प्रसाद, सैनिक स्कूल प्राचार्य श्री अविनाश चतुर्वेदी, बीएड कॉलेज प्राचार्य योगिता सोमानी, एमपी बोर्ड विद्यालय के प्राचार्य महेश वसा, केशव नगर प्राचार्य मुकेश पाठक, छात्रावास अधीक्षक कमल किशोर गोठी, सीबीएसई विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रवीण मिश्रा, उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौर, समाज के अन्य गणमान्य नागरिकगण व आचार्य परिवार उपस्थित रहा ।

भगवान श्री झूलेलाल जी का 1076 वां जन्मोत्सव : प्रभात फेरी में झूमे लोग

▶ 20 मार्च को मनेगा ऐतिहासिक महापर्व

मन्दसौर। 'सिंधुजनों को सिंधी कुल में जन्म लेने पर गर्व महसूस करना चाहिए। हिंदू धर्म की रक्षा हेतु ही आज से 1076 वर्ष पूर्व भगवान श्री झूलेलाल जी का जल-ज्योति अवतार हुआ था।' यह विचार चेटीचण्ड महापर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए गए।

भगवान श्री झूलेलाल जी के जन्मोत्सव 'चेटीचण्ड महापर्व' के अंतर्गत, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के तत्वावधान में श्री वरुणदेव मंदिर संचालन समिति द्वारा आज तीसरे दिन, 17 मार्च मंगलवार को प्रात: काल संकीर्तन प्रभात फेरी निकाली गई। यह प्रभात फेरी हिंदू सनातन धर्म की प्रमुख धर्मपीठ की मंदसौर शाखा 'श्री प्रेम प्रकाश आश्रम' पहुंची, जहां भगवान लक्ष्मीनारायण, भगवान झूलेलाल, सतगुरु टेऊँराम जी महाराज एवं सतगुरु ओमप्रकाशजी महाराज की प्रतिमाओं का सुंदर व आकर्षक मनोरथ (श्रृंगार) किया गया, जिसके दर्शन कर श्रद्धालु प्रफुल्लित हो उठे।

श्री प्रेम प्रकाश सेवा मंडली की महिलाओं एवं बहिराणा समिति के सदस्य मुरली पारवानी व जीतू खत्री ने भगवान श्री झूलेलाल के जीवन पर आधारित सुंदर भजन प्रस्तुत किए, जिस पर उपस्थित सिंधी समाज की संगत भावविभोर होकर झूम उठी। श्री प्रेम प्रकाश आश्रम सेवा मंडली की संगत ने प्रभात फेरी पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया।

मीडिया प्रभारी नंदू आडवाणी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पावन अवसर पर आरती करने वालों में प्रमुख रूप से पूज्य सिंधी जनरल पंचायत एवं भाई-बंध पंचायत के अध्यक्ष वासुदेव सेवानी, संयोजक नंदू आडवाणी, महासचिव राजेश चाहूंजा, पूज्य सिंधी भाई-बंध पंचायत के पूर्व अध्यक्ष जय सेवानी, विजय कोठारी, गिरीश भगतानी, सुरेश बाबानी, दयाराम जैसवानी, मोहनदास फतनानी, मेघराज कोठारी, हरीश उतवानी, प्रीतम खेमानी, मुरली पारवानी, चंदीराम चंदानी, अनिल लालवानी, दुर्गेश बेलानी, नरेश फतनानी, नारायण शिवानी, मनोहर एवं किशन लालवानी, सुंदरदास आसवानी सहित सैकड़ों स्त्री, पुरुष व बच्चे सम्मिलित थे। सभी ने अध्यक्ष वासुदेव सेवानी एवं उनकी पूरी टीम के सानिध्य में उत्साह के साथ जन्मोत्सव मनाने का संकल्प लिया।

चेटीचण्ड महोत्सव की खुशी का इजहार करने के लिए 15 मार्च से प्रतिदिन प्रात: 6 बजे प्रभात फेरी निकाली जा रही है, जो शहर के हर कोने में 'जय झूलेलाल, आयोलाल झूलेलाल' के जयकारों के साथ 20 मार्च शुक्रवार को भगवान के जन्मदिवस को ऐतिहासिक रूप से मनाने का आह्वान कर रही है।

श्री प्रेम प्रकाश सेवा मंडली के अध्यक्ष एवं पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के स्थाई संयोजक पुरुषोत्तम शिवानी ने सिंधुजनों से मेले में अधिक उत्साह से सम्मिलित होने का आह्वान किया। उन्होंने सिंधु संस्कृति की व्याख्या करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति अत्यंत प्राचीन है, जिसकी उत्पत्ति मोहनजोदड़ो से हुई है और यहीं से हिंदू संस्कृति का उदय हुआ। शिवानी जी ने बताया कि 1076 वर्ष पूर्व जब हिंदुओं पर अत्याचार होने लगे और धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया जाने लगा, तब सिंधु नदी के तट पर की गई प्रार्थना के उत्तर में आकाशवाणी हुई कि हिंदुओं की रक्षा के लिए भगवान श्री झूलेलाल अवतार लेंगे। अत: हमें सिंधी कुल में जन्म लेने पर गर्व होना चाहिए। इस वर्ष वाहन रैली में मातृशक्ति (महिलाओं) को भी सम्मिलित होने का विशेष आग्रह किया गया।

अंत में सुख-समृद्धि एवं मेले की सफलता के लिए 'पल्लव' (प्रार्थना) पाकर संगत का आभार महिला मंडली प्रमुख श्रीमती पुष्पा पमनानी एवं सुंदरदास आसवानी ने व्यक्त किया।

कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट परिसर में नवीन एसबीआई एटीएम का किया लोकार्पण

▶ नवीन एटीएम से आमजन को मिलेगी सुविधा

मंदसौर। कलेक्टर अदिती गर्ग ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सुशासन भवन परिसर में नवीन एसबीआई एटीएम का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने स्वयं एटीएम से राशि निकालकर इसकी कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। बैंक प्रबंधक द्वारा एटीएम संचालन की पूरी प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

कलेक्टर गर्ग ने इस कार्य के लिए पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि कम समय में एटीएम स्थापित कर उसका शीघ्र शुभारंभ करना सराहनीय है।

उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में एटीएम की लंबे समय से आवश्यकता थी, जिसके शुरू होने से आमजन को अब सुविधा मिलेगी। इस दौरान बैंक प्रबंधक, कलेक्ट्रेट कर्मचारी, संबंधित अधिकारी एवं बैंक स्टाफ उपस्थित थे।

एक नजर ▶ **'सम्राट विक्रमादित्य' नाट्य प्रस्तुति का होगा मंचन**

पशुपतिनाथ मंदिर में 19 मार्च को होगा सूर्य उपासना कार्यक्रम

मंदसौर। विक्रम संवत् 2083 के शुभारंभ अवसर पर 19 मार्च 2026 को प्रात: 10:00 बजे मंदसौर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर परिसर (आराधना हॉल) में सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत सूर्य उपासना के साथ होगी, जिसमें मंदिर परिसर में ब्रह्म ध्वज स्थापित किया जाएगा। यह आयोजन भारतीय नववर्ष नववर्ष प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग एवं मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल के सहयोग से 'सम्राट विक्रमादित्य' विषय पर भव्य नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया जाएगा। इस प्रस्तुति के माध्यम से भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं विक्रम संवत् के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाया जाएगा।

प्रस्तुति विवरण के अंतर्गत प्रस्तुति परिकल्पना सामाजिक सांस्कृतिक संस्था, उज्जैन द्वारा दी जाएगी। जिसमें नाट्य दल निर्देशन : सतीश दवे, संगीत : अभिषेक त्रिपाठी, लेखन एवं सह निर्देशन : प्रसन्न सोनी, निर्देशन : संजय श्रीवास्तव द्वारा दिया जाएगा। कार्यक्रम में 'भारत का नववर्ष विक्रम संवत' विषयक पुस्तिका का वितरण भी किया जाएगा, जिससे आमजन भारतीय नववर्ष की परंपरा एवं महत्व को समझ सकें।

विक्रम संवत् नववर्ष के अवसर पर जिले के प्रमुख मंदिरों एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर ब्रह्मध्वज भी स्थापित किए जाएंगे। कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में मंदसौर एसडीएम श्री शिवलाल शाक्य एवं कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्री रोहित राणावत द्वारा स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं के निर्देश दिए गए।

नीमच

नीमच सिटी में रंग तेरस पर जमकर खेली होली, उड़ा रंग गुलाल, निभाई प्राचीन परंपराएं

▶ साल भर बाद 5 फीट गहरे गड्ढे में दबे भेरूजी को लगाया दाल-बाफले का भोग, कराया नगर भ्रमण

नीमच। जिले भर सहित नगर व अंचल में मंगलवार को रंग तेरस पर्व परंपरानुसार मनाया। कई स्थानों पर गेर निकाली, तो कहीं रंग गुलाल से होली खेली। इन सबसे से अलग ग्वालियर रियासतकालीन प्राचीन बस्ती नीमच सिटी स्थित माहेश्वरी मोहल्ला में आजादी के पहले से चली आ रही अनूठी परंपरा का निर्वहन आज भी किया जा रहा है। माहेश्वरी मोहल्ले में देवनारायण मंदिर के सामने गडिया़ भेरू बावजी का चमत्कारी स्थान है। यहां 5 फीट गहरे गड्ढे में दबे भेरू बावजी को साल में सिर्फ एक बार रंगतेरस के दिन विधि विधान से बाहर निकालते है। फिर बकरे की खाल में भरे पानी से भेरुजी को स्नान कराया जाता है। इसके बाद भेरूजी की मूर्ति को एक ओटले पर विराजित करते है। करीब 10 दिन विशेष रुप से पूजा अर्चना की जाती है। रंगतेरस के दिन भेरुजी के साथ रंग व गुलाल से होली खेली जाती है। भेरुजी को ठेला गाड़ी में विराजित कर नगर भ्रमण करवाया जाता है।

माहेश्वरी मोहल्ला नवयुवक मंडल के सुनील माहेश्वरी, हेमेन्द्र चिंटू शर्मा, प्रकाश रावत, गौरव राव, संजय माहेश्वरी, पंकज रामावत, सुरेश बैरागी ने संयुक्त रूप से बताया कि रंग तेरस पर मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त में गडिया़ भेरू बावजी की मूर्ति को गड्ढे से बाहर निकाला गया। इसके बाद परंपरानुसार खाल में जल भरकर मूर्ति को स्नान करवाया। विधि विधान से पूजा अर्चना की। चोला चढ़ाकर श्रृंगार किया। लड्डू बाफले का प्रसाद चढ़ाया। इसके बाद दोपहर करीब 12 बजे भेरूजी को ठेलागाड़ी में विराजित कर बैंड बाजों के साथ क्षेत्र गेर निकाली। यह गेर माहेश्वरी मोहल्ले से शुरू हुई। जो उपनगर नीमच सिटी के प्रमुख मार्गो से होती हुई पुन: माहेश्वरी मोहल्ला स्थित देवनारायण मंदिर पर समाप्त हुई।

क्षेत्रवासियों ने लिया भेरूजी का आशीर्वाद-रंग तेरस पर शाम को क्षेत्रवासी नए कपड़े पहनकर आते है। भेरू बावजी सहित बड़े बुजुगों का आशीर्वाद लेते हैं। इसके साथ ही 10 दिवसीय उत्सव शुरु हो जाता है। उत्सव के तहत रोजाना भेरू बावजी की पूजा अर्चना व आरती होगी। लोग मन्नत मांगेंगे। जिनकी मन्नत पूरी हो चुकी वे प्रसाद चढ़ाते हैं। 10 दिन बाद फिर से भेरूजी को उसी 5 फिट गहरे गड्ढे में विराजित कर देते है।

साल भर 5 फीट गहरे गड्ढे में दबे रहते हैं भेरुजी-शहर के माहेश्वरी मोहल्ले में ग्वालियर रियासत के समय से अजीबो-गरीब परंपरा चली आ रही है। यहां लगभग एक साल तक भगवान को 5 फीट गहरे गड्ढे में दबा कर रखा जाता है। इसके बाद उन्हें होली के 13 दिन बाद रंग तेरस पर ब्रह्म मुहुर्त में बाहर निकाला जाता है। उसी समय भगवान की पूजा होती है। करीब 10 दिन तक भगवान को लोगों के दर्शन के लिए बाहर रखा जाता है। इसके बाद उन्हें फिर से जमीन में गाड़ दिया जाता है। इस परंपरा से जुड़ी नगर में कई किवदंतियां प्रचलित हैं।

इसलिए कहते हैं खालडिया़ भैरू-किवदंतियों के अनुसार मान्यता है कि भैरूजी को गड्ढे से निकालने के बाद सबसे पहले ताजा बकरे की खाल में पानी भरकर डुबोया जाता है। उन्हें बकरे की खाल में भरे पानी से नहलाया जाता है। विधि-विधान से पूजा-अर्चना व लड्डू-बाफले का भोग लगाया जाता है। बैंड बाजों के साथ क्षेत्र में भेरूजी को ठेला गाड़ी में विराजित कर गेर निकाली जाती है। बकरे की खाल से स्नान कराने की परंपरा के कारण ही इन्हें खालडिया़ भैरू कहते है। इसके अलावा भी भेरू बावजी के बारे में कई प्रकार की मान्यताएं व किवदंतियां प्रचलित हैं।

बरसों पुरानी है परंपरा-यह परंपरा बरसों से चली आ रही है। माहेश्वरी मोहल्ला में रहने वाले बुजुर्ग व वरिष्ठ लोग बताते हैं कि वह यह परंपरा बचपन से देखते आ रहे हैं। बुजुर्गों के दादा-परदादा ने भी इसी तरह की बात उन्हें बताई।

आधुनिक युग में भी निभाई जा रही परंपरा

प्रचलित कई परंपराएं इस आधुनिक युग में विलुप्त होती चली जा रही हैं। हालांकि रंग तेरस पर आजादी से पहले रियासत काल से चली आ रही यह परंपरा आज भी नीमच सिटी के माहेश्वरी मोहल्ले में मनाई जाती है। देवनारायण मंदिर के सामने खालडिया़ भेरूबावजी का चमत्कारी स्थान है। इस स्थान पर पांच फीट गहरा गड्ढा है। इसी गड्ढे में एक साल तक भेरू बावजी को दबा कर रखा जाता है। बुजुर्ग बताते हैं कि यह परंपरा नीमच की बसावट के समय से चली आ रही है। बताया जाता है कि एक समय नीमच का नाम मीनच हुआ करता था, क्योंकि यहां मीणा समाज के लोग अधिक थे। अंग्रेजों के शासन के साथ ही समय कालांतर में नीमच नाम हुआ, क्योंकि यहां नीम के पेड़ ज्यादा हैं। इसलिए इसका नाम नीमच हुआ। इसी तरह अलग-अलग विद्वानों ने नीमच का इतिहास अलग-अलग बताया है। शहर की सबसे पुरानी बसावट नीमच सिटी क्षेत्र है। यहां जातियों के अनुसार मोहल्लों व क्षेत्रों के नाम है। जैसे मीणा मोहल्ला, माहेश्वरी मोहल्ला, जोशी मोहल्ला तथा सरदार मोहल्ले सहित अन्य मोहल्ले हैं। इसी नीमच सिटी के माहेश्वरी मोहल्ले में देवनारायण मंदिर के सामने खालडिया़ भैरू बावजी को एक साल तक जमीन में गाडकर रखा जाता है। बताया जाता है कि मीणा मोहल्ले के लोग भैरू बावजी को बाहर निकालते है। इसके बाद सुबह से ही पूजा-अर्चना का दौरान शुरु हो जाता है। दिन में भैरूजी को नगर भ्रमण कराया जाता है। इससे पहले विधि-विधान से भैरू बावजी को स्नान कराया जाता है। पलाश (टेसू) के फूलों से बना रंग लगाया जाता है।

राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर में स्वयंसेवकों का चयन

मनासा। राष्ट्रीय सेवा योजना मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर में सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के नेतृत्व में नीमच जिले के शासकीय रामचंद्र विश्वनाथ महाविद्यालय, मनासा के स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। यह शिविर चित्रकूट स्थित दीनदयाल शोध संस्थान उद्यमिता परिसर, तहसील मझगवां, जिला सतना में दिनांक 8 मार्च से 14 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से चयनित स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण शिविर के लिए महाविद्यालय मनासा से स्वयंसेवक शिल्पा सेठिया, मनीषा मीणा एवं कुलदीप कारपेंटर का चयन हुआ। शिविर में स्वयंसेवकों को नेतृत्व क्षमता विकास, व्यक्तित्व निर्माण, टीमवर्क, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं समाज सेवा से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही विभिन्न गतिविधियों, समूह चर्चाओं एवं प्रायोगिक सत्रों के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.एल. धाकड़ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर बारीवाल ने चयनित स्वयंसेवकों को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के साथ-साथ समाज सेवा की भावना को भी मजबूत करते हैं।

एक नजर ▶ **पुलिस प्रशासन रहा चाक चौबंद**

समाजनों ने शबे कद्र मनाई, मस्जिदों को लाइटों से सजाया

जावद। मुस्लिम समाज का इबादत एवम त्याग का पर्व रमजान माह विगत 19 फरवरी से शुरू हुआ, सभी समाजजनों ने भूखे प्यासे रह कर रमजान माह में ईश्वर की इबादत की। बड़ो एवम नौजवानों के साथ बच्चो ने भी रमजान के रोजे रख कर इबादत की। नगर में अलग अलग मस्जिदों में समाजजनों ने रोजा इफ्तार का आयोजन भी किया।

मुस्लिम समाज के लिए रमजान माह काफी महत्वपूर्ण होता हैं इसी माह में एक रात 'शबे कद्र' आती है जो की बड़ी ही अफजल रात होती हैं। इसी दिन नगर की सभी मस्जिदों को रंगीन लाइटों के साथ सजाया जाता हैं। मस्जिदों में हाफिज/ईमाम ने नमाज अदा करवा कर दुआ करवाई।

हुसैनी मस्जिद नीमच दरवाजा में तरावीह की नमाज पढ़ने वाले मस्जिद के इमाम अहमद रज़ा व साईद रज़ा का कमेटी के सदर ओर सदस्यों ने इस्तकबाल (स्वागत) किया, इसी दौरान कमेटी के सदस्यों का भी इस्तकबाल किया गया। नमाजियों द्वारा पूर्व सदर हाजी ख्वाजा हुसैन मेवाफरोश का स्वागत किया। मस्जिद में लाइट डेकोरेशन करने वाले फिरोज (अल्लु) रंगरेज, फ्लावर डेकोरेशन करने वाले चिमन रंगरेज, मोअज्जिन राजाबाबू का इस्तकबाल किया ।

इसी प्रकार जावद की तमाम मस्जिदों में कमेटी के सदस्यों ने हाफिजो का इस्तकबाल किया गया, सभी मस्जिद में तबर्रूक (प्रसाद) बाटा गया। हुसैनी चौक से लेकर अठाना दरवाजा तक मोहल्ले के युवाओं ने सजावट करवाई गई जिससे इस मोहल्ले में अलग ही रंगत देखने को मिली। ईदगाह कब्रिस्तान में रजाकर कमेटी द्वारा सजावट की गई। नगर के मुस्लिम मोहल्लों में चाय, नाश्ता, दूध कोल्ड्रिंक का प्रोग्राम रखा गया। नगर में पुलिक प्रशासन की चप्पे चप्पे पर नजर बनी रही।